बलौदाबाजार चलो बलौदाबाजार चलो

गुरु बालकदास जी

बलिदान दिवस एवं प्रेम और भाईचारा के लिए महासंकल्प रैली

दिनांक : 29 मार्च 2015 दिन - रविवार स्थान : स्व. नैनदास महिलांग स्मृति स्थल, बस स्टैण्ड के पास, मेन रोड, बलौदाबाजार (छ.ग.)

आयोजक : समस्त सतनामी समाज, बलौदाबाजार

बलौदाबाजार चलो **बलौदाबाजार चलो**

गुरु बालकदास जी

बलिदान दिवस

एवं प्रेम और भाईचारा के लिए

महासंकल्प रैली

दिनांक : 29 मार्च 2015 दिन – रविवार

स्थान : स्व. नैनदास महिलांग स्मृति स्थल, बस स्टैण्ड के पास, मेन रोड, बलौदाबाजार, छत्तीसगढ़

आयोजक : समस्त सतनामी समाज, बलौदाबाजार

बलौदाबाजार चलो बलौदाबाजार चलो बलौदाबाजार चलो

गुरु बालकदासजी बलिदान दिवस एवं प्रेम व भाईचारा के लिए महा संकल्प रैली

दिनांक : 29 मार्च 2015, दिन–रविवार, दोपहर 11 बजे से

स्थान : राजमहंत नैनदास महिलांग स्मृति स्थल, बस स्टैण्ड के पास, मेन रोड, बलौदाबाजार (छ.ग.)

18वीं सदी में छत्तीसगढ़ नस्लभेद, रंगभेद और वर्णभेद से भी ज्यादा खतरनाक जातिभेद की घातक बीमारी से जूझ रहा था। आपसी वैमन्यस्ता अपने चरम सीमा पर थी और मूलनिवासी समाज इस भयानक महामारी से पल–पल जलकर जर्जर होते जा रहा था। ऐसे विषम परिस्थिति में मानव समाज को इस महामारी से बचाने तथागत् बुद्ध, गुरूनानक, संत कबीर व गुरू घासीदास के बताये मार्ग पर चलकर गुरू बालकदास जी जगह–जगह रावटी लगाकर मानव समाज को संगठित व सुव्यवस्थित कर प्रेम और भाईचारा पर आधारित सतनाम आंदोलन चलाए। गुरू बालकदासजी सतनाम पंथ चलाकर रूढ़ीवाद का अंत करते हुए जाति व्यवस्था को नकारते हुए कहा कि–जन्म से कोई ऊंच–नीच, छोटा–बड़ा, शूद्र या ब्राम्हण नहीं होता। सभी माँ के गर्भ से एक जैसे पैदा होते हैं, फिर मानव–मानव में भेद कैसा।

आपने समाज में राजमहंत, महंत, भंडारी, साटीदार परम्परा स्थापित कर समाज को संगठित व अनुशासित कर समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व व न्याय का संदेश देते हुए सतनाम रूपी विचार क्रान्ति की शुरूआत की। इतना ही नहीं पंथी, चौका आदि प्रचार–प्रसार के माध्यम को भी विकसित कर सतनाम प्राचीन संस्कृति का उद्बोध किया। महिलाओं को बराबरी का दर्जा देते हुए सती प्रथा को बंद कराकर विधवा विवाह को प्रोत्साहित किया। छ.ग. में बलिप्रथा, गौहत्या व बूचड़खाने बन्द कराने में गुरू बालकदासजी व समाज के प्रणेता दादा नकुलदेव ढीढी, भुजबल महंत, रतिराम गौटिया और राजमहंत नैनदास महिलांग की प्रमुख भूमिका रही है। मूक समाज में शिक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। तत्कालिन अंग्रेजी हुकूमत गुरू बालकदास जी के इस जनहित कार्यों से प्रभावित हो उन्हें राजा की उपाधि दी।

प्रेम, भाईचारा व मानवीय मूल्यों में निरंतर वृद्धि के साथ सामाजिक क्रान्ति के बढ़ते रफ्तार को अमानवीय, साम्प्रदायिक, रूढ़िवादी व आतंकवादी तत्वों से सहा नहीं गया और षड़यंत्र पूर्वक 28 मार्च 1860 को सतनाम के प्रवर्तक, प्रणेता, अग्रणी राजागुरू बालकदास व उनके अंगरक्षक सरहा व जोधाई की औराबांधा (मुंगेली) के पास निर्मम हत्या कर दी गई।

गुरू बालकदास जी और शहीद वीरनारायण सिंह जी एक साथ मिलकर प्रेम और भाईचारा का संदेश जन–जन तक पहुंचाने का कार्य किये और शोषित समाज को स्वाभिमान व सम्मान के साथ सर उठाकर जीने का संदेश के मिशन चलाए। यह अधिकार भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा संविधान में समाहित किया गया है।

28 मार्च गुरू बालकदास जी के बलिदान दिवस को रेखांकित करने के लिए सतनामी समाज भिलाई द्वारा बलिदान दिवस पर संकल्प रैली का आयोजन सन् 2007 में शुरू किये। इसी कड़ी में इस वर्ष बलौदाबाजार में बलिदान दिवस व राष्ट्र व्यापी प्रेम और भाईचारा के लिए संकल्प रैली आयोजित किया जा रहा है।

आईए, हम सब मिलकर गुरू बालकदासजी के अधूरे सपने को पूरा करने का संकल्प लेते हैं, जो कर्नल इग्नू के शब्दों में–"अगर गुरू बालकदास जी 10–15 साल और जिन्दा होते तो सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ सतनाम मय होता", ताकि छत्तीसगढ़ का हर बच्चा–बच्चा प्रेम व भाईचारा के साथ शोषण रहित समाज व्यवस्था के निर्माण में भागीदार बने और सम्पूर्ण भारत का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व सर्वांगीण विकास हो सके।

आयोजक : समस्त सतनामी समाज, बलौदाबाजार

आयोजकगण : राजकुमार पात्रे–9826171853, नरेन्द्र बंजारे–9926112438, मोहन बंजारे–9575899100, ललित धृतलहरे–9826107243, मोहन राय–982657416, योगेश बंजारे–9424212292, डेरहा डहरिया–9617160301, गोपाल अनंत–9827492855, राजकुमार भारती–7489175466, के.डी. टंडन–9406202844, ब्रम्हानंद मारकण्डेय–9753412078, मेवालाल डहरिया–9926155324, डॉ. जे.सी. जांगेड़े–9977502985, कृष्णा बंजारे–9753322311, श्यामरतन कुर्रे–8966038137, विनोद चेलक–9753707349, ओमप्रकाश रात्रे–9425519011, राजेश कुर्रे–9926178246, विनोदकांत–9575327766, बसंत आडिल–7697160017, भागवत भारती–8120999982, राजमहंत रामदयाल डहरिया–7354240431, विनोद बघेल–9329466968